II Jai Sri Gurudev II

Sri Adichunchanagiri Shikshana Trust (R.)

# BGS Vijnatham School

**कक्षा: V**

**विषय:हिन्दी**

**दिनाँक- 11.02.2026**

**पुनरावृति कार्यपत्रिका - 1**

**अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश**

**प्रश्न 1. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-**

**जापान में बच्चों को शिक्षा देने का उत्तरदायित्व पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षक निभाते हैं। वहाँ शिक्षक को केवल ज्ञान देने वाला ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करने वाला मार्गदर्शक माना जाता है। बच्चों के माता-पिता अपने शिक्षक का अत्यंत सम्मान करते हैं, जो वास्तव में प्रशंसनीय है। इस सम्मानपूर्ण वातावरण का प्रभाव बच्चों के मन पर गहराई से पड़ता है और उनके दिल में यह भावना उत्पन्न होती है कि उनके शिक्षक से बढ़कर और कोई नहीं है।**

**जापान के शिक्षक अक्षर-ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि कहानियों और उदाहरणों के माध्यम से बच्चों के हृदय में देश-प्रेम, अनुशासन और कर्तव्य-भावना जागृत करते हैं। धीरे-धीरे बच्चों के मन में यह विचार स्वतः उत्पन्न हो जाता है कि देश के लिए काम आना ही जीवन की सच्ची सार्थकता है।**

**इसके साथ ही जापानी शिक्षक जीवन में काम आने वाली व्यावहारिक बातों की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक समझते हैं। यह शिक्षा बच्चों को खेल-कूद, भ्रमण, नाटक और समूह गतिविधियों के माध्यम से दी जाती है, जिससे उनमें सहयोग, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के गुण विकसित होते हैं। फ़ौजी शिक्षा, अनुशासन का पालन तथा घायलों की मरहम-पट्टी करने जैसे अभ्यास भी उन्हें बचपन से ही कराए जाते हैं, ताकि वे कठिन परिस्थितियों में भी साहस और सेवा-भाव के साथ आगे बढ़ सकें।**

प्रश्न 1: जापान में बच्चों को शिक्षा देने का उत्तरदायित्व किसका होता है?

प्रश्न 2: जापान में माता-पिता शिक्षक का सम्मान क्यों करते हैं?

प्रश्न 3: शिक्षक के प्रति सम्मान का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्रश्न 4: जापानी शिक्षक बच्चों में देश-प्रेम की भावना कैसे जागृत करते हैं?

प्रश्न 5: बच्चों के मन में जीवन की सार्थकता को लेकर कौन-सा विचार उत्पन्न होता है?

प्रश्न 6: जापानी शिक्षक किन माध्यमों से व्यावहारिक शिक्षा देते हैं?

**प्रश्न 2. दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-**

**हैं जन्म लेते जगह में एक ही,**
**एक ही पौधा उन्हें है पालता।**
**रात में उन पर चमकता चाँद भी,**
**एक ही सी चाँदनी है डालता।**
**छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,**
**फाड़ देता है किसी का वर-वसन।**
**प्यार में डूबी तितलियों के पर कतर,**
**भौरा का है बेध देता श्याम तन।**
**फूल लेकर तितलियों को गोद में,**
**भौरा को अपना अनूठा रस पिला।**
**निज सुगंधों का निराले ढंग से,**
**है सदा देता कली जी की खिला।**

प्रश्न 1: यहाँ किसके जन्म की बात हो रही है?

प्रश्न 2: काँटा क्या करता है?

प्रश्न 3: फूल क्या करता है?

प्रश्न 4: सबकी आँखों में कौन खटकता है?

प्रश्न 5: फूल देवता के सिर पर शोभा कैसे पाता है?

प्रश्न 6: उपयुक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए?